Class: IX	Department: Hindi	Date of submission: NA
Question Bank: 15	Topic: **नए इलाके में**	Note: Pl. file in portfolio

कविता- नए इलाके में - कवि: श्री अरुण कमल

प्रश्न - {1} नए बसते इलाकों में कवि रास्ता क्यों भूल जाता था?

उत्तर - नए बसते इलाकों में प्रतिदिन निर्माण कार्य होता रहता है। कवि इन इलाकों में पुरानी पहचानों को नहीं पाता और रास्ता भूल जाता है। उसकी जानी-पहचानी पुरानी इमारतों की जगह नए भवन खड़े हो जाते हैं। अपनी मंजिल पर जाने के लिए कवि ने जो पहचान के चिह्न मन में बनाए होते हैं वे अचानक ही मिट जाते हैं। इसलिए कवि को अपने निर्धारित स्थान तक पहुँचने में कठिनाई होती है।

प्रश्न - {2} कविता में कौन-कौन से पुराने निशानों का उल्लेख किया गया है?

उत्तर - कविता में निम्नलिखित पुराने निशानों का उल्लेख किया गया है:-

{1} पीपल का पेड़ {2} खंडहर बना मकान

{3} जमीन का खाली टुकड़ा {4} दो मकानों के बाद बिना रंग वाले लोहे के फाटक वाला एक मंजिला मकान' आदि।

प्रश्न - {3} कवि एक घर पीछे या दो घर आगे क्यों चल देता है?

उत्तर - अपने निर्धारित घर से एक घर पीछे या दो घर आगे कवि इसलिए चल देता है क्योंकि अब पुराना इलाका पहले जैसा न रह कर बदल चुका है। पुराने छोटे मकानों की जगह नए ऊँचे भवन बन चुके हैं। कवि ने अपने मन में जो निशानियाँ बनाई होती हैं, नए निर्माण के कारण वे मिट जाती हैं।

प्रश्न - {4} 'वसंत का गया पतझड़' और 'बैसाख का गया भेदों को लौटा' से क्या अभिप्राय है?

उत्तर - इन पंक्तियों से कवि का अभिप्राय यह है कि एक लम्बा समय बीत चुका है। वसंत और पतझड़ तथा बैसाख और भादों दोनों ऋतुओं - महीनों के बीच एक लम्बा अंतराल आ जाने के कारण परिस्तिथियों में बड़ा बदलाव आ गया है। कवि के मन में जो बसंत के चिह्न थे उसके स्थान पर पतझड़ ने अपनी निशानियाँ बना ली हैं अर्थात् समय और परिस्तिथियों में बहुत परिवर्तन आ गया है।

प्रश्न - (5) कवि ने इस कविता में 'समय की कमी' की ओर क्यों इशारा किया है?

उत्तर - कवि ने यह बताया है कि आधुनिक मनुष्य के पास समय की बहुत कमी है क्योंकि तेजी से बदलती दुनिया में हर कोई दूसरे से आगे निकलना चाहता है इसलिए हर व्यक्ति का समय अपने-अपने कार्यों में उलझा-व्यतीत हो रहा है। तीव्र परिवर्तित परिस्तिथियों में जीवन की गति भी तेज़ हो गई है। इसलिए कवि अनुभव करता है कि ऐसे में जब इंसान के पास समय का अभाव है तो शायद कोई परिचित व्यक्ति उसे पहचान कर पुकार लेगा।

प्रश्न - (6) इस कविता में कवि ने शहरों की किस विडंबना की ओर संकेत किया है?

उत्तर - कवि ने शहरी जीवन की अनेक विडम्बनाओं की ओर संकेत करते हुए लिखा है कि वहाँ तीव्र गति से दुनिया बदल जाती है। शहरों का मनुष्य आपाधापी भरी प्रतियोगिता के दौर में हर कीमत पर जीतना चाहता है। उसका जीवन से स्नेह और सम्मान नष्ट हो गया है। दूसरे इंसानों के साथ से संवेदनशून्यता के कारण वह दूर हो गया है। इसलिए शहरों में कोई किसी को नहीं पहचानता। अपने कार्यों में लगे रहने के कारण कोई किसी की मदद नहीं करता। इसलिए यहाँ स्मृतियों के सहारे नहीं चला जा सकता।